पालकर, उनको ऊन बचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रह हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इस समय अंगोरा किस्म की ऊन की कीमत 750 रुपये से 800 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है और इस वष बजट में वस्त्रों पर उत्पादकर लगा देने से अंगोरा ऊन के बाजार को एक गहरा धक्का लगा है ; और

(ग) यदि हां, तो इस अंगोरा ऊन के लघु उद्योग को चौपट होने से बाने के लिए सरकार की क्या योजना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) यह सच है कि अंगोरा ऊन की कीमत 750/– रुपए से लेकर 800/– रु. प्रति कि. ग्रा. तक होती है । इस वष के बजट में वस्त्रों पर उत्पाद शुल्क लगाए जाने के फलस्वरूप अंगोरा ऊन के बाजार को कोई गहरा धक्का नहीं पहुंचा है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Oil seed production

7143. SHRI SURESH PACHOURI: Wild the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Central Government have proposed any scheme in regard to oilseed production;

(b) if so, whether any arrangements are being considered to provide seeds to farmers on concessional and timely basis;

(c) whether there is also a provi. sion made in the above scheme for exchange of seeds between different states;

(d) if so, whether this scheme has been introduced in Madhya Pradesh; and

(e) what are the concrete propo sals formulated in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SRH S. KRISHNA KUMAR):, (a) to (e) A Centrally Sponsored Oil Seed Production Programme is in operation in 21 States including Mad-hya Pradesh to increase the production and productivity of oilseed crops. This scheme has a component on assistance for seed production and distribution. There is no component of seed exchange under the Oil Seed Produnoticn Programme.

पौध-संरक्षण हेतु सहायता

7144. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पौध-संरक्षण यंत्रों, कीटनाशी, कृमिनाशक तथा खरपत-वार नाशक औषधियों पर दी जाने वाली केन्द्रीय सहायता को इस वित्तीय वर्ष से बंद कर दिया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि 7 और 8 अप्रैल को दिल्ली में हुई सभी राज्यों के सचिवों तथा अन्य प्रतिनिधियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी में उक्त केन्द्रीय सहायता को जारी रखने का अनुरोध किया गया था ;

(ग) क्या इस प्रकार का निर्णय लेने से पूर्व राज्य सरकारों से परामर्श किया गया था ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त निर्णय के परिणामस्वरूप किसानों को भारी नुकसान होगा; यदि हां, तो सरकार द्वारा किसानों के हितों की रक्षा हेतु क्या-क्या वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने का विचार है ; और

(ङ) क्या सरकार किसानों के हित में चल रही इस प्रकार की योजनाओं को पुन: आरम्भ करने पर विचार करेगी ; यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?